8

ग्राफिक डिज़ाइन-हस्त निर्मित तथा डिजिटल

लक्ष्य

किसी विचार या संदेश को चित्रात्मक ढंग से प्रस्तुत करने के लिए छवियों, प्रतीकों और टाइपोग्राफी को व्यवस्थित करना।

परिचय

ग्राफिक डिज़ाइन एक दृश्य संचार है जो दर्शकों तक जानकारी पहुँचाता है। ग्राफिक डिज़ाइनरों के लिए यह एक वास्तविक चुनौती है कि वे दृश्य छवियों और पाठ को रचनात्मक संभावनाओं के साथ कैसे जोड़ेंगे। आधुनिक तकनीक के कारण, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, कोरल ड्रा इत्यादि जैसे सॉफ्टवेयर के साथ उपकरण हस्त निर्मित (मैन्युअल) डिज़ाइन तथा डिजिटल डिज़ाइन में बदल गए हैं। हम विभिन्न अभ्यासों के माध्यम से लोगो, ग्रीटिंग कार्ड, पुस्तक कवर आदि के डिज़ाइन बनाने में मैन्युअल और डिजिटल डिज़ाइन के तरीकों के उपयोग को सीखेंगे और इन दोनों विधियों के बीच के अंतर को जानेंगे। डिज़ाइनर को यह ध्यान रखना होगा कि वह मैन्युअल रूप से काम करे या डिजिटल रूप से उसको एकमात्र उद्देश्य कला के माध्यम से संदेशों को रचनात्मक ढंग से संप्रेषित करना है।

इस प्रायोगिक पाठ में, हम डिजिटल मीडिया के संचालन और संदेश को रचनात्मक कला के रूप में प्रस्तुत करना सीखेंगे।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- टाइपोग्राफी के साथ छवियों को शामिल करने का कौशल विकसित कर सकेंगे;
- संदेशों को रचनात्मक कला के रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे;

- किसी कलाकृति के मैन्युअल और डिज़िटल प्रस्तुति के बीच अंतर कर सकेंगे;
- सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डिजिटल कौशल विकसित कर सकेंगे;
- किसी पेंटिंग और डिज़ाइन में मैन्युअल और डिजिटल तकनीकों के उपयोग में अंतर कर सकेंगे;
- मैन्युअल और डिजिटल रूप से ग्रीटिंग कार्ड, लॉग और बुक कवर डिज़ाइन बना सकेंगे।

हमारे पक्षी/अमन

बुक कवर डिज़ाइना बनाने की विधि

1. सबसे पहले, जिस विषय पर पुस्तक का कवर बनाना है, उसकी एक परिकल्पना अपने दिमाग में तैयार कर लें। पेंसिल का उपयोग करके कागज पर चित्र बनाएँ। जैसा कि आप चित्र 8.1 में देख सकते है, यह एक पक्षी का चित्र है। पुस्तक में लेखक ने पक्षियों के जीवन, खान-पान आदि का वर्णन किया है, इसलिए पुस्तक का शीर्षक 'हमारे पक्षी' दियचा गया है। कलाकार ने इसे कवर डिज़ाइन में दिखाया है।

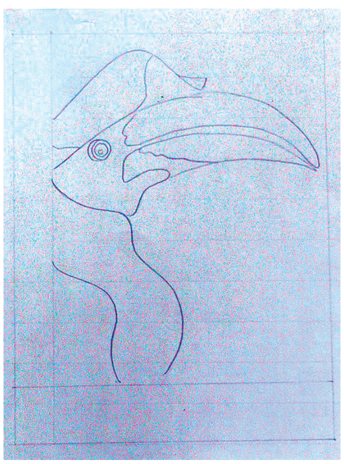

चित्र 8.1

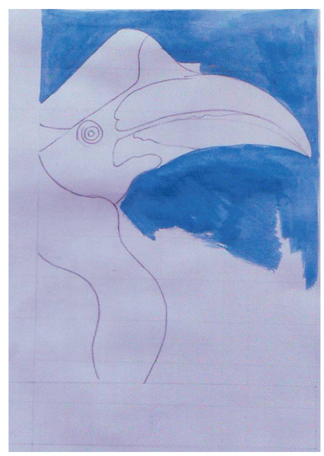

चित्र 8.2

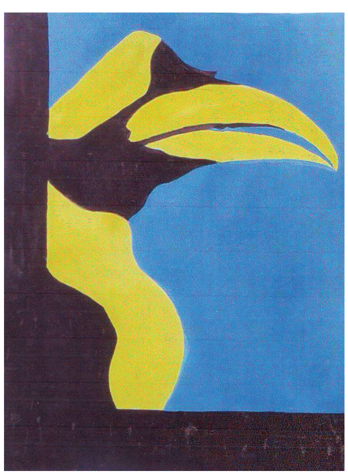

चित्र 8.3

चित्र 8.4

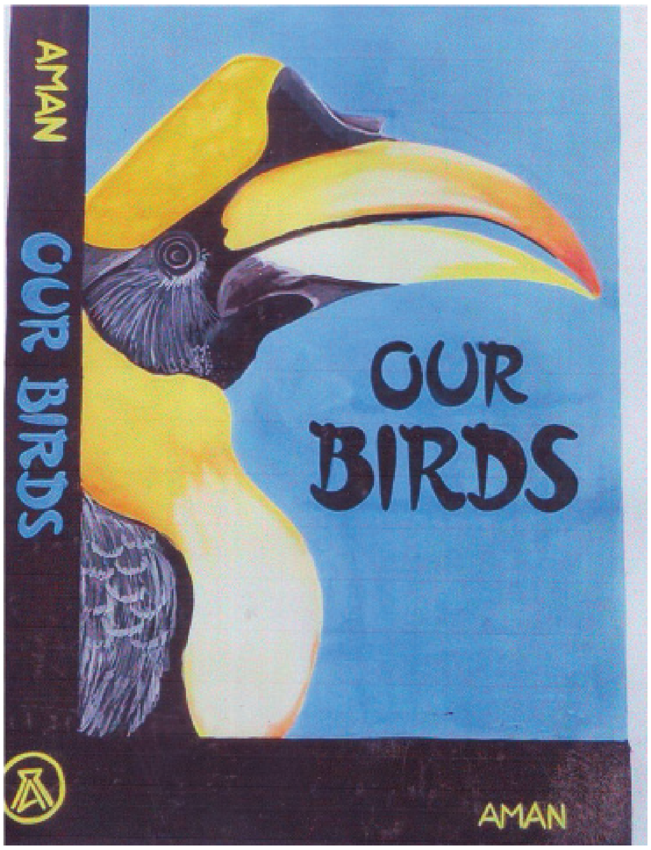

चित्र 8.5

2. कलाकार ने पेंसिल से स्केच पूरा करने के बाद उसमें सपाट रंग भर दिया। पृष्ठभूमि को नीले रंग से भर दिया गया है, जो संभवतः आकाश और उसकी गहराई को दर्शाता है। इसके बाद, कलाकार पक्षी को सपाट पीले और काले रंग में भरता है। कवर के निचले भाग को भी काले रंग से भरा गया है।

3. सपाट रंग भरने के बाद, कलाकार टोन और बनावट (टेक्सचर) का उपयोग करके चित्रण को छायांकित करता है। सबसे पहले, वह नारंगी रंग का थोड़ा सा उपयोग करके सपाट पीले रंग को गहरा करता है और छायांकन शुरू करता है, जैसा कि चित्र से देखा जा सकता है। फिर चित्रण के विवरण के लिए गहरे रंग के लिए ठोस पीले रंग में कुछ और नारंगी रंग मिलाया जा है। उसी तरह, चित्रण में पक्षी का काला भाग भी भूरे रंग के विभिन्न टोन का उपयोग करके पूरा किया गया है। चित्रण अब पूरा हो गया है, जैसा कि चित्र से देखा जा सकता है।

4. एक बार चित्रण पूरा हो जाने पर, अक्षरों का लेखन पूरा हो जाता है। कुछ लोग ट्रेसिंग पेपर का उपयोग करते हैं, लेकिन अनुभवी कलाकार सीधे शब्द लिखते हैं। जैसा कि आप चित्र में देख सकते हैं। शीर्षक 'हमारे पक्षी' काले रंग में लिखा गया है और अच्छी तरह से परिभाषित दिखता है। पीले रंग को संतुलित करने के लिए कलाकार ने लोगो और लेखक के नाम के लिए पीले रंगे का उपयोग किया है। इस तरह पाठक की नजरें एक जगह नहीं रूकेंगी और वह किताब का पूरा कवर देखने के लिए उत्सुक रहेगा।

भारत की एक झलक/राम प्रसाद

बुक कवर डिज़ाइन बनाने की विधि

किसी भी विषय पर चित्रण करने के लिए सबसे पहले हमें अपने दिमाग में विषय की एक परिकल्पना बनानी होगी। फिर उसके अनुसार कागज पर एक लेआउट बनाया जाएगा। जैसा कि आप नीचे दिए चित्रों में देख सकते हैं। पुस्तक का कवर बनाने की प्रक्रिया चल रही है। किताब का नाम 'भारत की झलक' और इसमें भारत के तीन महत्वपूर्ण स्मारक देखे जा सकते हैं, जिनके नाम हैं-इंडिया गेट, लाल किला और लोटस टेम्पल जो भारत की भव्यता में चार चाँद लगाते हैं। (चित्र 8.6 और 8.7 देखें)

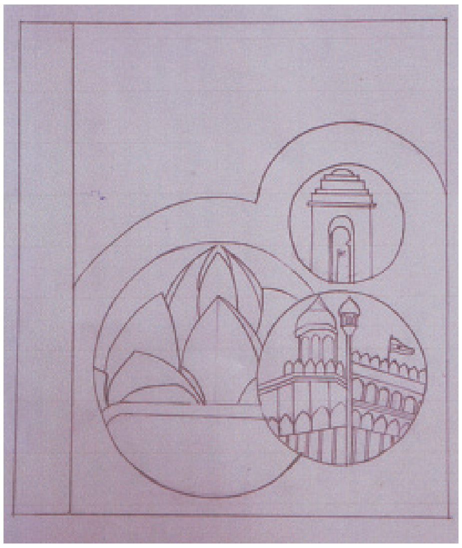

चित्र 8.6

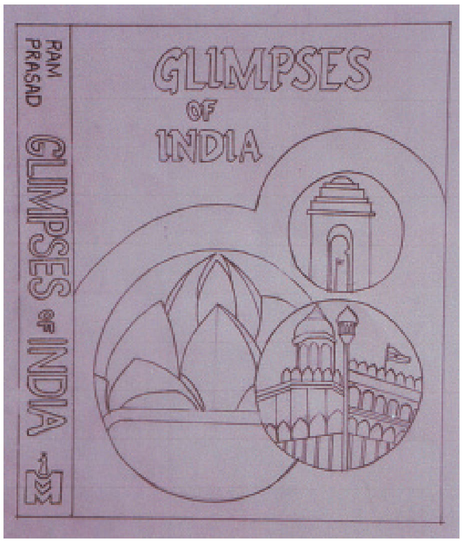

चित्र 8.7

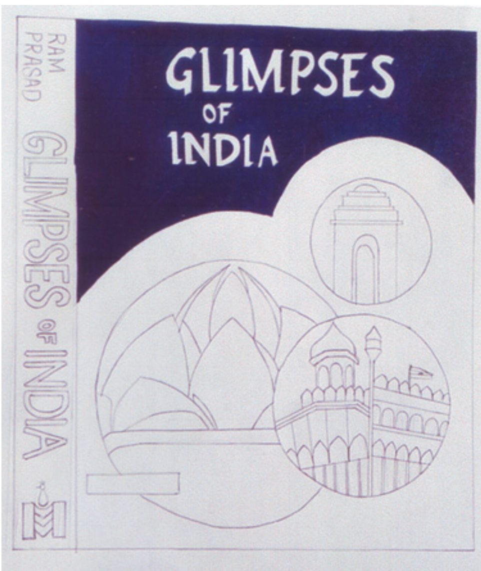

चित्र 8.8

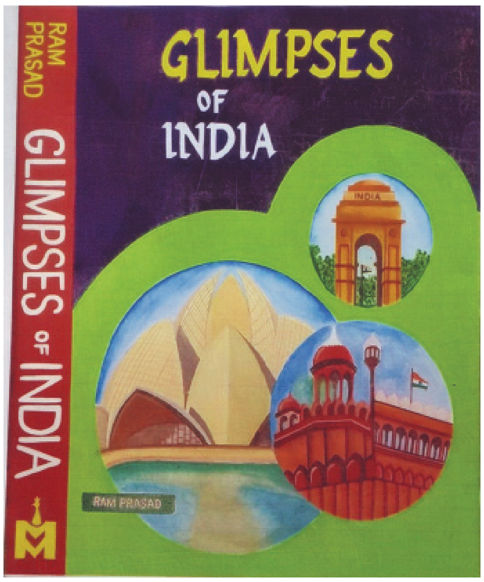

चित्र 8.9

ड्राइंग पूरी होने के बाद, कलाकार अक्षर लिखना शुरू करता है। ग्राफ के माध्यम से अक्षर लिखने की प्रक्रिया आगे दी गयी है। एक बार अक्षर लिखे जाने के बाद कलाकार उनमें रंग भरना शुरू कर देता है। जैसा कि आप देख सकते हैं, पृष्ठभूमि गहरे नीले रंग से भरी हुई है। चौथे चित्र में विस्तार से वर्णन किया गया है। कलाकार ने रंगों का चयन ऐसे किया है कि मामला वास्तविक लगे। इंडिया गेट मीडियम पीले रंग से भरा गया है। (चित्र 8.8 देखे)

इसके बाद मूल स्वरूप देने के लिए गहरे पीले और भूरे रंग का उपयोग करके विवरण दिया गया था। लोटस टेम्पल को सफेद आधार पर हल्के पीले और भूरे रंग का टोन और बनावट (टेक्स्चर) दिया गया है, जो इसे बिल्कुल वास्तविक लुक देता है। अंत में कलाकार ने लाल किले में भूरे रंग के अलग-अलग टोन दिए हैं, जो बेहद खूबसूरत लगते है। ऐसा लगता है जैसे कलाकार ने लाल किले को एक फ्रेम में कैद कर लिया है। कलाकार ने तीनों-चित्रों को हरे रंग की सीमा में दिखाया है, जो विषयवस्तु को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है। विषयवस्तु की पुष्ठभूमि में कलाकार ने नीले रंग के अलग-अलग टोन का इस्तेमाल करते हुए आसमान को दिखाया है, जो बेहद आकर्षक लग रहा है।

चित्रण पूरा हो जाने पर कलाकार अक्षरों को रंग से भर देता है। जैसा कि चित्र से देखा जा सकता है, उन्होंने गहरे नीले रंग की पृष्ठभूमि पर 'GLIMPSES' और 'INDIA' को सफेद रंग से भर दिया है, जिससे अक्षर उभर कर सामने आते हैं। (चित्र 8.9 देखें)

बाईं ओर उन्होंने किताब की मोटाई भी दिखाई है। इसमें प्रकाशक का लोगो, लेखक का नाम और पुस्तक का नाम होता है। इस प्रकार, हमारी पुस्तक का कवर तैयार है। चित्रण के लिए पोस्टर रंगों का उपयोग किया गया है।

पुस्तक कवर डिज़ाइन के लिए अभ्यास

शिक्षार्थी दिए गए विषयों पर पुस्तक कवर बना सकते हैं;

1. हिंदी भाषा
2. प्रेमचंद की कहानियाँ
3. भारत गाथा
4. 'क', 'ख', 'ग' सीखो

आपने क्या सीखा

- ग्राफिक डिज़ाइन एक दृश्य संचार है जो दर्शकों तक जानकारी पहुँचाता है।
- कुछ सॉफ्टवेयर, जैसे- फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, कोरल ड्रा आदि हमें डिजिटल रूप से विभिन्न छवियाँ बनाने में मदद करते हैं।

- मैन्युअल अभ्यास और डिजिटल फॉर्मेशन के बीच में अंतर होता है।
- डिजिटल रूप से लोगो, ग्रिटिंग कार्ड डिजाइन, पुस्तक कवर डिज़ाइन आदि बनाना।

पाठांत प्रश्न

1. मैन्युअल प्रश्न और डिज़िटल निर्माण के बीच अंतर स्पष्ट करें।
2. ग्राफिक डिज़ाइन के साथ चित्रकला पुस्तक के लिए आगे और पीछे का कवर पेज बनाएँ।
3. किसी भी विषय के लिए रंगीन लोगो का चित्रण करें।
4. अपनी आर्ट नोट बुक के लिए मैनयुअल रूप से वॉटर कलर का उपयोग कर एक डिज़ाइन बनाएँ।